09/7/24 पत्रावली पेश हुई। कोर्ट भी उप० नहीं है। प्रार्थी व प्रार्थीवसील को बार-बार आवाज लगाई गयी किन्तु के अनु० है। वादी का मूल वाद इनकी अनु० में खारिज किया जा चुका है। वालाले यह पत्रावली भी अदम अरपैरवी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। मूल वाद के साथ संलग्न रहे।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ramkishor Mina
Date: 2025.03.17 15:32:30 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
[illegible]-बहरोड़